व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि
मशरूम की खेती
2022

सरस्वती स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/ नाम	: :	सरस्वती एसएचजी
वीएफडीएस नाम	: :	किन्नू
एफटीयू/ वन परिक्षेत्र	: :	सराहन
डीएमयू/ वन मंडल	: :	रामपुर
एफसीसीयू/ सर्किल	: :	रामपुर

पीआईएचपीएफईएम&एल द्वारा प्रायोजित	**डीएमयू जाईका रामपुर और सरस्वती एसएचजी द्वारा तैयार**

विषयसूची

क्रमांक।	विवरण	पेज
1	परिचय	3
2	कार्यकारी सारांश	3
3	एसएचजी का विवरण	4-6
4	गांव का भौगोलिक विवरण	7
5	गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	8
7	योजना का विवरण	9-10
8	विपणन/बिक्री का विवरण	11
9	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	12
10	स्वोट अनालिसिस	12
11	संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय	13
12	परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	14-18
13	अर्थशास्त्र का सारांश	19
14	लाभ लागत विश्लेषण	20
15	समूह में निधि प्रवाह	20
16	धन के स्रोत और खरीद	21
17	टिप्पणी	22
18	ग्राम वन विकास समिति का प्रस्ताव	23
19	स्वयं सहायता समूह का प्रस्ताव	24

1.परिचय

मशरूम की खेती का व्यवसाय कुछ ही हफ़्तों में बहुत ज़्यादा मुनाफ़ा कमाने का ज़रिया बन सकता है, जिसमें व्यवसाय शुरू करने के लिए काफ़ी कम पूंजी निवेश की ज़रूरत होती है। मशरूम की खेती एक कला है और इसके लिए अध्ययन और अनुभव दोनों की ज़रूरत होती है। अलग-अलग तरह के मशरूम की उत्पादन लागत अलग-अलग होती है और बजट उपलब्धता और इलाके में मांग और लक्षित बाज़ार में स्वीकार्यता के आधार पर तय करना ज़रूरी है। मोटे तौर पर मशरूम तीन तरह के होते हैं जैसे:

1. बटन मशरूम
2. ऑयस्टर मशरूम (ढींगरी मशरूम)
3. धान का पुआल मशरूम.

इस एसएचजी के सदस्य सफ़ेद बटन मशरूम और ढींगरी मशरूम से अधिक परिचित और सहज हैं और इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि यह एसएचजी सफ़ेद बटन मशरूम उगाएगा। मशरूम की खेती उन लोगों के लिए सबसे उपयुक्त है जो बागवानी, पौधे उगाने और कृषि गतिविधियों में गहरी रुचि रखते हैं। चूंकि समूह के सदस्य पहले से ही अपने खेतों में कृषि/बागवानी गतिविधियों में लगे हुए हैं, इसलिए इस एसएचजी द्वारा आय सृजन गतिविधि के रूप में इस गतिविधि को अंतिम रूप दिया गया है और उनके द्वारा व्यवसाय योजना शुरू की गई है। इस गतिविधि का उद्देश्य उनकी आय को बढ़ाना और इस प्रकार समूह के सदस्यों की आजीविका और जीवन स्तर में सुधार करना होगा।

2.कार्यकारी सारांश -

किन्नू वीएफडीएस: -

किन्नू वीएफडीएस रामपुर वन मंडल और सराहन वन परिक्षेत्र के विकास खंड रामपुर और सराहन की भागवत बीट के अंतर्गत आता है

घरों की संख्या	**118**
बीपीएल परिवार	**40**
कुल जनसंख्या	**585**
कुल मवेशी	**70**

3. स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक सरस्वती एसएचजी समूह का गठन मई 2022 में किन्नू वीएफडीएस के तहत किया गया था, जिसका उद्देश्य कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करना था। इस समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

सरस्वती एसएचजी समूह विशुद्ध रूप से महिलाओं का समूह है, जिसमें समाज के सीमांत और कमजोर वर्ग के लोग शामिल हैं, जिनके पास कम भूमि संसाधन हैं। अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मशरूम की खेती करने का फैसला किया, जिससे उनकी आय बढ़ सकती है। इस समूह में 12 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100 रुपये प्रति माह है, समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

4.एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र . सं.	नाम (कुमारी/श्रीमती)	का नाम (श्री)	पद का नाम	वर्ग	आयु	योग्यता	संपर्क नंबर
1	बाला दासी	पुरुषोत्तम	अध्यक्ष	अनुसूचित जाति	38	5 वीं	7650088074
2	कांता देवी	शिवराम	कोषाध्यक्ष	अनुसूचित जाति	52	5 वीं	8988206282
3	इंद्रावती	तारा चंद	सदस्य	अनुसूचित जाति	36	5 वीं	9418131817
4	संतोष कुमारी	मोहन लाल	सदस्य	अनुसूचित जाति	22	5 वीं	9459982422
5	प्रेम पट्टी	सुरेश	सदस्य	अनुसूचित जाति	33	5 वीं	9816029771
6	सेवा दासी	भगत राम	सदस्य	अनुसूचित जाति	50	5 वीं	7650008762
7	चंद्रमणि	दीवान सिंह	सदस्य	अनुसूचित जाति	46	5 वीं	8628871582
8	विद्या देवी	बीर सिंह	सदस्य	अनुसूचित जाति	41	5 वीं	9459842183
9	हीरा देवी	बालम राम	सदस्य	अनुसूचित जाति	38	5 वीं	7807317632
10	शैल पुत्री	राम सिंह	सदस्य	अनुसूचित जाति	39	8 वीं	9459350508
11	टोंगू देवी	चरण दास	सदस्य	अनुसूचित जाति	42	5 वीं	9459178232
12	कमला देवी	रतन दास	सचिव	अनुसूचित जाति	47	8 वीं	9459294961

एसएचजी सदस्यों की तस्वीरें

श्रीमती बाला दासी (अध्यक्ष)	श्रीमती कांता देवी (कोषाध्यक्ष)	श्रीमती इंद्रावती	श्रीमती संतोष कुमारी	श्रीमती प्रेम पट्टी
श्रीमती. सेवा दासी	श्रीमती. चंद्रमणि	श्रीमती विद्या देवी	श्रीमती. हीरा देवी	श्रीमती. शैल पुत्री
श्रीमती. टोंगू देवी	श्रीमती. कमला देवी (सचिव)			

स्वयं सहायता समूह सरस्वती – किन्नू की वित्तीय स्थिति.

1	स्वयं सहायता समूह का नाम	: :	सरस्वती एसएचजी
2	वीएफडीएस	: :	किन्नू
3	वन परिक्षेत्र	: :	सराहन
4	वन मंडल	: :	रामपुर
5	गाँव	: :	किन्नू
6	ब्लॉक	: :	रामपुर
7	ज़िला	: :	शिमला
8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	: :	13
9	गठन की तिथि	: :	24.06.2022
10	बैंक का नाम और विवरण	: :	एचपी स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, सराहन
11	बैंक खाता सं.	: :	43410108141
12	एसएचजी/ मासिक बचत	: :	रु.100/- प्रतिमाह
13	कुल बचत	: :	7491/-
14	कुल अंतर- ऋण	: :	
15	नकद ऋण सीमा	: :	
16	पुनर्भुगतान स्थिति		

4. गाँव का भौगोलिक विवरण

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	:	173 कि०मी०
4.2	सड़क से दूरी	: :	4 कि०मी०
4.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	:	सराहन 15 कि०मी०, ज्योरी- 32 कि०मी०
4.4	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	: :	रामपुर, 50 कि०मी०
4.5	मुख्य शहरों के नाम जहां विपणित किया जाएगा	: :	रामपुर, 50 कि०मी०
4.6	पिछड़े और आगे के लिंक युग की स्थिति	: :	बैकवर्ड लिंकेज - प्रशिक्षण, अतिरिक्त स्पॉन के साथ कम्पोस्ट बैग की खरीद, तथा बाजारों और मौजूदा आपूर्तिकर्ताओं के साथ फॉरवर्ड लिंकेज आदि।

5. संबंधित उत्पाद का विवरण

5.1	उत्पाद का नाम	: :	समूह नियंत्रित वातावरण में बटन मशरूम और ढींगरी मशरूम के उत्पादन में शामिल होगा
5.2	पहचान की विधि	: :	हालांकि समूह के सभी सदस्य उच्च मूल्य वाली नकदी फसलें उगाते हैं। चूंकि उनकी ज़मीन बहुत छोटी है, इसलिए वे अपनी वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए समूह के सदस्यों ने यह निर्णय लिया है कि मशरूम की खेती से उनकी आय बढ़ेगी। इसके अलावा वे आमतौर पर अपनी नकदी फसलें ज्योरी और रामपुर में बेचने जाते हैं। बाज़ार से संपर्क पहले से ही स्थापित हैं। उन्हें मशरूम की मार्केटिंग के लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ता।
5.3	एसएचजी/सीआईजी/ क्लस्टर की सहमति	: :	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

6. उत्पादन प्रक्रियाएं

मशरूम की खेती का प्रशिक्षण जाईका परियोजना द्वारा आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का पूरा खर्च जाईका परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

समूह ने शुरू में ढींगरी मशरूम उत्पादन के साथ शुरुआत करने का फैसला किया, क्योंकि प्रशिक्षण अप्रैल के दौरान पूरा हो जाएगा और अप्रैल/मई, जून-जुलाई के बाद के महीने इस मशरूम की खेती के लिए अधिक उपयुक्त हैं। 250 कम्पोस्ट स्पॉन जोड़े गए बैग खरीदे जाएंगे और किराए के कमरों में लगाए जाएंगे।
तीन स्तरीय लकड़ी/बांस की रैक फिटिंग, साथ ही चार एग्जॉस्ट पंखे लगाए जाएंगे, जिनमें से एक ताजी हवा के लिए और दूसरा नीचे की तरफ अंदर की हवा को बाहर निकालने के लिए होगा। कमरे के तापमान को कम करने के लिए प्रत्येक कमरे में एक सीलिंग फैन और कमरे के तापमान को बढ़ाने के लिए दूसरा (हीट ब्लोअर), कमरे के आवश्यक तापमान को बनाए रखने के लिए प्रत्येक हॉल में सूखे और गीले थर्मामीटर लगाए जाएंगे। बैग लोड करने से पहले कमरे को दो से तीन बार फॉर्मेलिन (5 मिली/लीटर) से धोया और साफ किया जाएगा 1 एसएमएस बागवानी विभाग, रामपुर के तकनीकी इनपुट के बाद, समूह के साथ विचार-विमर्श के बाद बटन मशरूम की तीन फसलों और ढींगरी की एक फसल (प्रत्येक 70 से 75 दिन का चक्र) (बटन मशरूम के लिए अगस्त से अप्रैल और ढींगरी के लिए मई से जुलाई सर्वोत्तम महीने हैं) के साथ व्यवसाय योजना तैयार की गई है।

समूह के सदस्य प्रतिदिन एक घंटा काम करेंगे, आधा घंटा सुबह और आधा घंटा शाम को।

7. उत्पादन योजना का विवरण :

7.1	उत्पादन चक्र (75 दिन)	: :	शिमला जिले में बटन मशरूम अगस्त से अप्रैल तक उगाया जा सकता है। कंपोस्ट बैग में स्पॉन डालने के बाद मशरूम को पिन अप होने में 30 से 40 दिन लगते हैं। इसके बाद तीन फ्लश लिए जा सकते हैं। मशरूम की फसल के तीन फ्लश लेने के लिए कुल 75 दिन लगते हैं। एक फसल का उत्पादन चक्र 75 दिन का होगा। एक वर्ष में फसल के चार चक्र दोहराए जाएंगे, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:- ढींगरी मशरूम की पहली फसल (मई से जुलाई के अंत तक = 75 दिन) बटन मशरूम की दूसरी फसल (अगस्त से अक्टूबर = 75 दिन) तीसरी फसल, (नवंबर से जनवरी) =75 दिन) बटन मशरूम की चौथी फसल (फरवरी से अप्रैल = 75 दिन)
7.2	जनशक्ति की आवश्यकता	: :	शुरुआत में पूरा समूह रैक लगाने/बनाने, कमरे की सफाई करने और सड़क से उत्पादन स्थल तक खाद की थैलियाँ ले जाने के लिए मिलकर काम करेगा। उसके बाद पहले 30 दिनों तक 2 व्यक्ति 1 घंटे (1/2 घंटा सुबह और 1/2 घंटा शाम) रोटेशन के आधार पर सफाई, नमी, तापमान नियंत्रण आदि के लिए काम करेंगे। अगले 31 से 75 दिनों तक 4 व्यक्ति 3 घंटे कटाई, मिट्टी की आवरण, सफाई, वजन और पैकिंग के लिए। विपणन घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि सदस्यों में से एक नियमित रूप से बाजार में सब्जियों के साथ मशरूम भी बेचेगा। खाद बनाने वाले चार व्यक्ति 2 दिन तक 2 घंटे काम करेंगे। श्रम कार्य कुल 704 घंटे का होगा, यदि हम इसे 8 (घंटे) से विभाजित करते हैं तो यह 88 दिन होगा और इसे 275 रुपये प्रति दिन की मजदूरी दर से गुणा करें तो श्रम की लागत 24200 रुपये आती है
7.3	कच्चे माल का स्रोत	: :	हिमाचल प्रदेश के बागवानी विभाग, सोलन, कुल्लू और पालमपुर।

7.4	संसाधनों का स्रोत	: :	हिमाचल प्रदेश के बागवानी विभाग, सोलन, कुल्लू और पालमपुर।
7.5	(i)मात्रा बटन मशरूम के लिए आवश्यक (75 दिन) (ii) ढींगरी के एक चक्र के लिए आवश्यक मात्रा यानि 75 दिन		250 कम्पोस्ट स्पॉन मिश्रित बैग, फॉर्मेलिन, 200 मि०ली०, कम्पोस्ट के लिए 250 पारदर्शी पॉलिथीन बैग, पैकिंग सामग्री (पॉलीथीन स्लीव) 3 किग्रा. ढींगरी के लिए- 250 खाद स्पॉन जोड़ा बैग, 250 पारदर्शी पॉलीथीन बैग, प्रतिस्थापन के लिए खाद, पॉलीथीन स्लीव 5 कि०ग्रा० (ताजा के लिए 3 कि०ग्रा० और फटे बैग के प्रतिस्थापन के लिए 2 कि०ग्रा०)
7.6	दिनों में अपेक्षित उत्पादन		**ढींगरी** :-ढींगरी का औसत उत्पादन एक बैग कम्पोस्ट से लगभग 10 कि०ग्रा०. 250 बैग से 2500 किलोग्राम ढींगरी प्राप्त होगी । **बटन मशरूम:** - बैग से मशरूम का औसत उत्पादन 2.5 किलोग्राम है 1 बैग =2.5 कि०ग्रा० 250 बैग x2.5 किग्रा.= **625** कि०ग्रा०

8. विपणन /बिक्री का विवरण

8.1	संभावित बाज़ार स्थान	: :	ज्योरी, झाखरी, रामपुर।
8.2	इकाई से दूरी	: :	ज्योरी 32 कि०मी०, झाखरी 44 कि०मी०, रामपुर लगभग 50 कि०मी० ।
8.3	उत्पाद बाजार की मांग		मशरूम की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है।
8.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	: :	बाजारों में साल भर मांग बनी रहती है।
8.5	बाज़ार पर मौसमी प्रभाव	: :	मशरूम हर मौसम में मिलने वाला व्यंजन है और साल भर इसकी मांग बहुत अधिक रहती है। हालांकि, गर्मियों में पर्यटकों और विवाह समारोहों के कारण इसकी मांग अधिक होती है।
8.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	: :	संभावित बाजार खरीदार अस्पताल, होटल, छात्रावास, दुकानें, स्थानीय निवासी/विवाह और अन्य समारोह आदि हैं।
8.7	क्षेत्र के संभावित उपभोक्ता	: :	सभी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक / परिवार और होटल और ढाबे वाले।
8.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	: :	मांग के आधार पर मशरूम की दैनिक आपूर्ति बाजार में की जाएगी तथा समूह इन्हें ज्योरी और रामपुर बाजार के खुले बाजार में भी बेचेगा।
8.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	: :	शुरुआत में समूह विभिन्न टाउनशिपों में सभी सब्जी खुदरा विक्रेताओं से संपर्क करेगा, इसके बाद उत्पादन बढ़ने पर रामपुर और ज्योरी बाजार के खुदरा विक्रेताओं से भी संपर्क कर उन्हें अपना उत्पाद बेचने के लिए कहा जाएगा।
8.10	उत्पाद ब्रांडिंग	: :	"किन्नू के ताज़ा मशरूम"।
8.11.	उत्पाद नारा	: :	"मशरूम खाओ सेहत बनाओ"

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेंगे और दैनिक कार्य संचालन, विपणन, विभाग और वीएफडीएस के साथ संपर्क के लिए स्वयं को विभाजित करेंगे।

10.स्वोट अनालिसिस

क्र. सं.	विवरण /आइटम	:	विवरण
1.	ताकत	: :	समूह के सभी सदस्य एक जैसी सोच रखते हैं, स्थानीय और सामाजिक वातावरण के अनुकूल हैं। उत्पादन लागत कम है, उत्पादन उच्च गुणवत्ता का है और बढ़ने का चक्र छोटा है, उत्पादन पूरे साल होगा। खुले बाजार में रेडीमेड कम्पोस्ट बैग उपलब्ध हैं। स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा मानदंडों और निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण और प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।
2.	कमजोरी	: :	नया स्वयं सहायता समूह, मशरूम उत्पादन/खेती में अनुभव की कमी।
3.	अवसर	: :	मांग अधिक है और प्रतिफल भी अधिक है।
4.	जोखिम	: :	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, तथा उच्च जोखिम वहन क्षमता का अभाव पूर्वानुमानित है तथा समूह के साथ इन पर बातचीत की जा सकती है।

11. संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय

क्रमांक	संभावित जोखिम	:	इन्हें कम करने के उपाय
1.	1. कभी-कभी हानिकारक संक्रमण फसल को नष्ट कर सकता है 2. तापमान रखरखाव और नियम 3.बाजार परिपूर्णता	: : : :	सबसे पहले, कमरे में प्रवेश करने से पहले साबुन से हाथ और पैर धोकर तथा उन्हें फॉर्मेलिन के घोल में डुबोकर साफ-सफाई बनाए रखनी चाहिए। केवल 2-3 व्यक्ति ही पूर्ण किट (टोपी, दस्ताने, एप्रन आदि) के साथ कमरे में प्रवेश करेंगे। फफूंद के हमले से बचने के लिए नियमित रूप से छिड़काव किया जाना चाहिए थर्मामीटर की मदद से, दिए गए उपकरणों के साथ आवश्यक तापमान बनाए रखा जाएगा 1 मशरूम के मूल्य संवर्धन के लिए बाद के वर्षों में अचार, सूप और अन्य उत्पाद बनाए जाएंगे
2.	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	: :	संघर्षों से प्रारंभिक अवस्था में ही निपटा जाना चाहिए, ताकि उनके कारण को समाप्त किया जा सके। समूह के सभी सदस्यों को समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए तथा लाभ को समान रूप से साझा किया जाना चाहिए। प्रत्येक सदस्य को सम्मान और आदर दिया जाना चाहिए।
3.	बाज़ार		खरीदार तलाशते रहना चाहिए ।
4.	उत्पादन	: :	बाजार की मांग और सदस्यों के अनुभव के अनुसार उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। ।

12.वित्तीय अनुमान

पहला चक्र

क्रमांक	परियोजना लागत	राशि रु. में
क	**पूंजीगत लागत**	
क.1	तीन टायर लकड़ी/बांस रैक फिटिंग का निर्माण	15000
क	सीलिंग फैन (1 नग)	2500
ख	एग्जॉस्ट पंखे (2)	3000
ग	रूम हीटर/ब्लोअर/ (हीट पिलर)	1500
घ	सूखा और गीला थर्मामीटर (1 सेट)	1000
ङ	वजन तौलने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन (1)	900
च	गर्म प्लास्टिक छत रॉड (1 नं.)	800
छ	मध्यम स्प्रे पंप (1 नं.)	1800
ज	तेज चाकुओं का सेट नं. (1 सेट)	75
झ	कैंची (2 नग)	400
ञ	ट्रे/टोकरी (6 संख्या)	600
ट	टोकरा (6 नं)	2400
ठ	पानी की टंकी 1000 लीटर (1 नं.) गाड़ी सहित	8000
ड	पानी और बिजली फिटिंग सामग्री और शुल्क	4000
एन	विविध व्यय	3000
	कुल पूंजी लागत	**44975**
ख.	**प्रथम चक्र की आवर्ती लागत (75 दिन)**	
ख .1	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उत्पादन इकाई) की लागत @ 1800 रुपये/माह। (3 महीने)	3000
ख .2	फॉर्मेलिन	600
ख.3	मजदूर मजदूरी 88 दिन= (रु.275/दिन)= रु.24200	24200
ख.4	ढींगरी मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 संख्या रु. 90 प्रति बैग और अन्य कच्चा माल ढुलाई सहित	22500
ख.5	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	3000
ख.6	परिवहन	1000
ख.7	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क 1000 रुपये प्रति माह	3000
ख.8	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिलबुक, रसीद आदि)	1500
	एक चक्र की आवर्ती लागत = ख1+ ख2+ ख3 + ख4 + ख5 + ख6+ ख7+ ख8	**58800/-**
	कुल परियोजना लागत (क + ख) =44975+58800 =	**103775**

लागत लाभ विश्लेषण प्रथम चक्र:-

क्रमांक	विशिष्ट	इकाई	मात्रा/संख्या	दर	राशि (रु.)
क	**लागत पर 10% मूल्यह्रास**	महीना	3	10%	**1125**
ख	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) की लागत 1000 रुपये प्रति माह। (3 महीने)	महीना	3	1000	3000
2.	बोतल में 250 फॉर्मेलिन होता है ।	संख्या	2 बोतल	300	600
3.	मजदूर मजदूरी 88 दिन = (Rs275/दिन) = Rs 24200	दिन	88	275	24200
4.	ढींगरी कम्पोस्ट बैग 250 (90 रुपये प्रति किलोग्राम)	संख्या	250	90	22500
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	5	600	3000
6.	परिवहन शुल्क	-	-	-	1000
7.	बिजली और पानी उपयोग शुल्क (1000 रुपये प्रति माह)	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग-भग	-	1500
	कुल				**58800**

9.	**कुल उत्पादन किलोग्राम में.**	**कम्पोस्ट ढींगरी**	**2500 किलोग्राम 750 किलोग्राम**
10.	**उत्पादन की बिक्री किलोग्राम में**	**ढींगरी 2500 किलोग्राम (100 रुपये प्रति किलोग्राम)**	**250000/-**
		कम्पोस्ट 750 किग्रा (10 रुपये प्रति किलोग्राम)	**7500**
			257500
11।	कुल लाभ	**257500-(1125+58800)**	**197575**

आकस्मिकता के लिए आपातकालीन आरक्षित के रूप में रखा जाएगा ।

लागत लाभ विश्लेषण दूसरा चक्र

क्रमांक	**विशिष्ट**	**इकाई**	**मात्रा/संख्या**	**दर**	**राशि (रु.)**
क	**लागत पर 10% मूल्यह्रास**	महीना	3	10%	**1125**
ख	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				

1.	किराये के कमरे (1 हॉल) (मशरूम उगाने वाली इकाई) की लागत 800 रुपये/माह (3 महीने)	महीना	3	1000	3000
2.	बोतल में 250 फॉर्मेलिन होता है ।	संख्या	2 बोतल	300	600
3.	88 दिन की मजदूरी = (रु.275/दिन)=रु.24200	दिन	88	275	24200
4.	बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 (संख्या), रु. 90 प्रति बैग और अन्य कच्चा माल ढुलाई सहित	संख्या	250	90	22500
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
6.	परिवहन शुल्क	–	–	–	1000
7.	बिजली और पानी के उपयोग शुल्क (1000 रुपये प्रति माह)	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग–भग	–	1500
	कुल				**57300**
9.	**कुल उत्पादन किलोग्राम में.**	**बटन** **मशरूम** **खाद**			**625 किलोग्राम** **750 किलोग्राम**
10.	**कुल बिक्री (किग्रा में)**	**625 किग्रा** **100 रुपये प्रति किलोग्राम** **कम्पोस्ट 750 किग्रा** **10 रुपये प्रति किलोग्राम**			**62500** **7500**
				कुल	**70000**
11।	कुल लाभ	**7000–(1125+57300)**			**11575**

दूसरे चक्र के बाद 11575 रुपये का कुल लाभ स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के बीच वितरित करने के लिए उपलब्ध है ।

लागत लाभ विश्लेषण तीसरा चक्र

क्रमांक	विशिष्ट	इकाई	मात्रा/संख्या	दर	(रु. में)
क	**लागत पर 10% मूल्यह्रास**	महीना	3	10%	**1125**
ख	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) की लागत @ 1800 रुपये/माह। (3 महीने)	महीना	3	1000	3000
2.	बोतल में 250 फॉर्मेलिन होता है ।	संख्या	2 बोतल	300	600
3.	मजदूर मजदूरी 88 दिन = (@ रु 275/दिन) = रु 24200	दिन	88	275	24200
4.	बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 300 नं. @ 90 रुपये प्रति बैग और अन्य कच्चा माल ढुलाई सहित	संख्या	250	90	22500
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री, आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
6.	परिवहन शुल्क	–	–	–	1000
7.	बिजली और पानी उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग–भग	–	1500
	कुल				**57300**
9.	**कुल उत्पादन किलोग्राम में.**	**बटन मशरूम** **कम्पोस्ट**			**625 कि०ग्रा** **750** कि०ग्रा
10.	**उत्पादन की बिक्री किलोग्राम में**	**625 किलोग्राम @ 100 रुपये खाद 750 किलोग्राम @ 10 रुपये**			**62500** **7500**
				कुल	**70000**
11।	कुल लाभ	**70000–(1125+57300)**			**11575**
तीसरे चक्र के बाद कुल लाभ 11575 रुपये स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के बीच वितरित करने के लिए उपलब्ध है ।					

लागत लाभ विश्लेषण चौथा चक्र

क्रमांक	विशिष्ट		इकाई	मात्रा/संख्या	दर	इसमें राशि (रु.)
क	**लागत पर 10% मूल्यह्रास**		महीना	3	10%	**1125**
ख	3 महीने के लिए आवर्ती लागत					
1.	किराए के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) की लागत @ रु 1800/माह (3 महीने) =		महीना	3	1000	3000
2.	बोतल में 250 फॉर्मेलिन होता है ।		संख्या	2 बोतल	300	600
3.	मजदूर मजदूरी 88 दिन = (@ रु 275/दिन) = रु 24200		दिन	88	275	24200
4.	बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 300 नग @ रु 90 प्रति बैग और अन्य कच्चा माल ढुलाई सहित		संख्या	250	90	22500
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)		किलोग्राम	2.5	600	1500
6.	परिवहन शुल्क		-	-	-	1000
7.	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क 1000 रुपये प्रति माह		महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)			एल/एस	-	1500
	कुल					**57300**
9.	**कुल उत्पादन किलोग्राम में.**	**बटन मशरूम खाद**				**625** कि०ग्रा **750** कि०ग्रा
10.	**उत्पादन की बिक्री किलोग्राम में**	**625 किग्रा @ 100 रुपए** **कम्पोस्ट 750 किग्रा @** **10 रुपए**				**62500** **7500**
		कुल				**70000**
11।	कुल लाभ	**70000-(1125+57300)**				**11575**

चौथा चक्र - के बाद कुल लाभ 11575 रुपये स्वयं सहायता समूह सदस्यों के बीच वितरित करने के लिए उपलब्ध है।

13. अर्थशास्त्र का सारांश

चार चक्को में उत्पादन की लागत

क्रमांक	विशिष्ट	राशि रु. में
1.	कुल आवर्ती लागत **(i) पहला चक्र** ढींगरी **(ii) दूसरा चक्र** बटन मशरूम **(iii) तीसरा चक्र** बटन मशरूम **(iv) चौथा चक्र** बटन मशरूम **कुल**	 58800 57300 57300 57300 **230700**
2.	**कुल आय** **(v) पहला चक्र** ढींगरी **(vi) दूसरा चक्र** बटन मशरूम **(vii) तीसरा चक्र** बटन मशरूम **(viii) चौथा चक्र** बटन मशरूम	 257500 70000 70000 70000
3.	शुद्ध आय	**467500**

14. लाभ लागत विश्लेषण (वार्षिक)

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	**पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास** (क)	4498
2	**आवर्ती लागत** (ख)	
2.1	कमरे का किराया	12000
2.2	श्रम	96800
2.3	कम्पोस्ट बैग की कीमत	90000
2.4	फॉर्मेलिन	2400
2.5	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री, आदि)	7500
2.6	परिवहन शुल्क	4000
2.7	बिजली और पानी का उपयोग	12000
2.8	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिलबुक, रसीद, आदि)	6000
	कुल	**230700**
3	ढींगरी और बटन मशरूम का कुल उत्पादन	4375 किलोग्राम
4	ढींगरी और बटन मशरूम का विक्रय मूल्य	437500
5	खाद का विक्रय मूल्य	22500
	कुल	**460000**
6	कुल **लाभ=बिक्री मूल्य- (पूंजीगत लागत+आवर्ती लागत)= 460000-(44975+230700)**	**184325**

नोट:- इस राशि में श्रमिक मजदूरी और कमरे का किराया शामिल नहीं है ।

15. समूह में निधि प्रवाह :

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	44975	33731	11244
2	कुल आवर्ती लागत	230700	0	230700
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	60000	60000	0
	कुल परिव्यय	**335675**	**93731**	**241944**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत** - कुल पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा
- **आवर्ती लागत-** संपूर्ण लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-** कुल लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी

16. धन के स्रोत और खरीद:

परियोजना समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा उपकरणों सहित मशीनरी की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि परिक्रामी निधि के रूप में जमा की जाएगी। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	मशीनों/उपकरणों की खरीद सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। • आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी ।	

17. टिप्पणी :

समूह का आगामी लक्ष्य अचार, रेडीमेड सूप, सूखे मशरूम आदि के रूप में मूल्य संवर्धन

द्वारा अपनी आय में वृद्धि करना है।

आपकी त्वचा, मस्तिष्क और हड्डियों के लिए मशरूम के 8 आश्चर्यजनक स्वास्थ्य लाभ

"इनमें सेलेनियम, पोटेशियम, तांबा, लोहा और फास्फोरस जैसे कई खनिज होते हैं जो अक्सर पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों में नहीं पाए जाते हैं।"

1. मशरूम आपको जवान बनाये रखने में मदद कर सकता है।
2. मशरूम आपकी उम्र बढ़ने के साथ आपके मस्तिष्क की रक्षा कर सकता है।
3. मशरूम आपकी याददाश्त बढ़ा सकता है।
4. मशरूम आपके हृदय स्वास्थ्य में मदद कर सकता है।
5. हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता कर सकता है ।
6. ऊर्जा देने में मदद करेगा
7. मशरूम कई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है, खासकर कैंसर से ।

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Saraswati ..Self Help Group will undertake the Mushroom Cultivation.....

As Livelihood Generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management & Livelihood (JICA Assisted). In this regard Business Plan of Amount (Rs.) .....3,35,675/-.....has been submitted by this group on dated .....29.11.2022.....and this business plan has been approved by .....Kinnaur.....VFDS.

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thank you.

Signature of VFDS Pradhan

Signature of VFDS Secretary

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the Self Help Group ..Saraswati.........held on ....29.11.2022...........at ....Kinnaur...............that our Self Help Group will undertake the .....Mushroom Cultivation......as Livelihood Income Generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods (JICA Assisted).

प्रधान
सरस्वती स्वयं सहायता समूह
किन्नु

President

Signature of Group Pradhan

Secretary

Signature of Group Secretary